केवल अनुपस्थित परीक्षार्थीओं के लिए : केवल 'बारकोड' अंकित यही एकमात्र पृष्ठ नीचे दी गई रेखा से काटकर पत्रक - A तथा पत्रक - B के साथ वापस भेजना है ।

इस प्रश्नपत्र में से कम या ज्यादा मात्रा में प्रश्न दिनांक ४ मार्च, २०१२ को होनेवाली मुख्य परीक्षा में भी पूछे जाने की संभावना है ।

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था

सत्संग शिक्षण परीक्षा

पूर्व कसौटी : सत्संग प्रवेश : प्रश्नपत्र - २

जनवरी, २०१२ **समय : दौपहर २.०० से ४.१५** **कुल गुणांक : ७५**

स्वामिनारायण
BAPS

अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका का केवल यही पृष्ठ वापस भेजना है ।

☞ **परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ 'बारकोड' अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुक़सान मत कीजिए ।**

अनिवार्य : निम्न लिखित सूचना की परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है

परीक्षार्थी का जन्म दिन — दिनांक ☐☐ महीना ☐☐ वर्ष ☐☐☐☐

परीक्षार्थी का अभ्यास .....

परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर अंकित नाम सहित अनिवार्य विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्ग निरीक्षक हस्ताक्षर करें ।

वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर .....

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१ (९)	
	२ (६)	
	३ (५)	
	४ (५)	
	५ (५)	
	६ (८)	
विभाग-१, कुल गुण (३८)		

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	७ (९)	
	८ (६)	
	९ (५)	
	१० (५)	
	११ (६)	
	१२ (६)	
विभाग-२, कुल गुण (३७)		

परीक्षक के हस्ताक्षर

.....

મોડરેશન વિભાગ માટે જ

ગુણ શબ્દોમાં . . . . . .

ચેક૨ - નામ

☞ परीक्षार्थीओं को महत्त्वपूर्ण सूचनाएँ :-

१. मुख्य परीक्षा के दिन वर्गखंड में उपस्थित प्रत्येक परीक्षार्थी वर्ग निरीक्षक से अपनी नामयुक्त उत्तर पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर करा लें ।

२. **बिना वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर की उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।**

३. दायीं ओर दिए गए अंक प्रश्न के गुण दर्शाते हैं ।

४. सूचनानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए । अस्पष्ट उत्तर अमान्य होंगे ।

५. मुख्य परीक्षा में उत्तरवही के ईलावा अतिरिक्त पनों में लिखे हुए उत्तर मान्य नहि होंगे ।

६. **परीक्षार्थी केवल ब्लू या केवल काली स्याही वाली पेन से ही उत्तर पुस्तिका में उत्तर लिखे । पेन्सिल से अथवा लाल, हरी या अन्य स्याही से लिखे गए उत्तर या एक से ज्यादा स्याही से लिखि गई उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।**

७. परीक्षा कार्यालय, अहमदाबाद की पूर्व मंजूरी बिना मूल परीक्षार्थी के बदले 'लेखाकार' या 'डमी राईटर' एवं 'दूसरे व्यक्ति' द्वारा लिखी गई परीक्षा की उत्तरवही रद गीनी जाएगी । एक से ज्यादा प्रकार के अक्षरों की लिखावट रद मानी जाएगी ।

८. **परीक्षा खंड के बाहर** और अन्य सभी परीक्षार्थीओं से अलग या परीक्षा के नियमों का उल्लंघन कर के दी गई परीक्षा मान्य नहीं होगी ।

विभाग - १ : किशोर सत्संग प्रवेश - प्रथम संस्करण, जून - १९९७

प्र. १ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । **(९)**

१. ''ये सहजानंद स्वामी सभी अवतारों के मूल कारण हैं, हम लोग तो उनके दास हैं ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

.....

२. ''लेकिन भट्टजी ने इतना क्या दे दिया ?''

३. ''महाराज की चिट्ठी है, वे मुझे वरताल बुला रहे हैं ।''

प्र. २ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) **(६)**

१. आत्मानंद स्वामी के शरीर में कीड़े पड़ गये ।

.....

.....

.....

.....

२. सगराम का चेहरा फीका पड़ गया, लेकिन भीतर से वह बहुत खुश हुआ ।

३. महाराज का थाल भी बन्द हो गया ।

प्र. ३ 'गुरु-शिष्य' - **प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टिप्पणी लिखिए । (वर्णनात्मक)** **(५)**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्र. ४ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । **(५)**

१. राजगर ब्राह्मण को रामानंद स्वामी ने क्या कहा था ?

.....

.....

२. समुद्रदेव किसका रूप धारण करके चारों भाइयों को मिले ?

३. महाराज कौन से गाँव के रहावन में हज़ामत करा रहे थे ?

४. समाधि में लाधीबाई ने किस किस के दर्शन किये ?

५. झमकूबा कौन से गाँव की थी ?

प्र. ५ 'वचनामृत – ६' – **का निरूपण** çÜç ¹ **ए** Ð **(५)**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्र. ६ निम्नलिखित कीर्तन / अष्टक / श्लोक आदि को सूचनानुसार पूर्ण कीजिए । **(८)**

१. राम कृष्ण गोविन्द.....

..... स्वामिनारायण हरे ।

२. लोजपुर गाम ..... पूजता हो ।

३. सदैव ..... नमामि ॥

४. कार्य न सहसा ..... सताम् ॥'' – इस श्लोक का हिन्दी में अनुवाद कीजिए ।

विभाग – २ : शास्त्रीजी महाराज – प्रथम संस्करण, जून – १९९७

प्र. ७ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । **(९)**

१. ''गढ़डा का यह मन्दिर भारत के समस्त मन्दिरों में श्रेष्ठ एवं सर्वोपरि होगा ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

.....

२. ''ये खूँटे शेषनाग के माथे पर पडे हैं, ये टस से मस अब नहीं हो सकते, इसलिए इनको हटाने का प्रयास न कीजियेगा ।''

३. ''यज्ञपुरुषदास जब कथा कहने को बैठे तब मुझे बुलाना ।''

प्र. ८ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) **(६)**

१. गोरधनभाई कोठारी की दृढ़ निष्ठा देखकर स्वामीश्री बहुत प्रसन्न हुए ।

.....

.....

.....

.....

२. आचार्य महाराज ने डुंगर भक्त को शीध्रता से दीक्षा देने की मना की ।

३. वढवाण की बात सुनकर कोठारी गोरधनभाई स्तब्ध हो गये ।

प्र. ९ निम्नलिखित किन्हीं एक प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टूंकनोंध लिखिए । (वर्णनात्मक) **(५)**

१. विद्यारभ्भ २. विषम देशकाल ३. अन्तिम लीला

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्र.१० निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । **(५)**

१. गोंडल में भगतजी ने यज्ञपुरुषदास को क्या आज्ञा दी ?

.....

.....

२. निर्गुणदास स्वामी कब अक्षरधाम सिधारे ?

३. डुंगर भक्त के पिताजी ने विहारीलालजी महाराज को क्या उलाहना दिया ?

४. ठाकुर साहब ने राधाकृष्ण की मूर्तियों की प्रतिष्ठा किस स्थान पर करने का आग्रह किया ?

५. शास्त्रीजी महाराज को प्रागजी भक्त के प्रथम दर्शन कहाँ हुए ?

प्र.११ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । **(६)**

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. सच्चे गुरुभक्त शास्त्रीजी महाराज

(१) ☐ जिसकी कथा के द्वारा जनता को विशेष आनन्द मिला हो, उसकी ही प्रथम पूजा की जानी चाहिये ।

(२) ☐ आचार्यजी के साथ उन्हीं की तरह भगतजी का भी खूब ठाठबाठ के साथ स्वागत-सम्मान किया गया ।

(३) ☐ आचार्य महाराज ने प्रागजी भक्त को जूनागढ़ आने के लिए आमंत्रण पत्र लिखा ।

(४) ☐ हम उनको परम एकांतिक समझते हैं ।

२. वढ़वाण मन्दिर में अक्षरपुरुषोत्तम की प्रतिष्ठा

(१) ☐ यह कार्य श्रीजीमहाराज ने ही किया हैं ।

(२) ☐ समाधान के रूप में मन्दिर के मध्य खण्ड में मूर्तियों की प्रतिष्ठा करने का तय हुआ ।

(३) ☐ प्रतिष्ठा के समाचार सुनकर बेचरभाई प्रसन्न हुए ।

(४) ☐ चतुरभाई ने स्वामीश्री को तार किया ।

३. अजातशत्रु

(१) ☐ स्वामीश्री ने हरिकृष्ण महाराज को प्रार्थना की ।

(२) ☐ स्वामीश्री हनुमानवाले दरवाज़े से ५० संतों के साथ बाहर निकल गये ।

(३) ☐ गोमती तालाब के रास्ते पर गाँव के पुलिस पटेल खुशालभाई मिले ।

(४) ☐ वरताल से निकलते हुए सामने गाय मिली ।

प्र.१२ निम्नलिखित गलत वाक्य को उसके विषय के अनुलक्ष्य में सही लिखिए । **(६)**

सूचना :- संपूर्ण वाक्य सही लिखा होगा तो ही गुण प्राप्त होंगे, अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।

उदाहरण : दिल की सफाई का साधन : कोठारी ने राजकोट कथा करने की आज्ञा की, इसमें तीन हेतु थे - पुरानो की पढ़ाई हो, गोंडल के पास होने से गोपालानंद स्वामी के कृपापात्र अदाश्री का सम्पर्क बना रहे ।

उत्तर : दिल की सफाई का साधन : भगतजी ने राजकोट **पढ़ने** की आज्ञा की, इसमें **दो** हेतु थे - **संस्कृत** की पढ़ाई हो, **जूनागढ़** के पास होने से **गुणातीतानंद स्वामी** के कृपापात्र **जागा भक्त** का सम्पर्क बना रहे ।

१. **अजोड़ विद्वत्ता :** महिधर शास्त्री कभी कभी कहते थे कि 'अस्मिन् सम्प्रदाये एकमेव ।'

२. **चमत्कार की परंपरा :** छः साल के डुंगर भक्त परिवार के किसी व्यक्ति की शादी में आणंद गये ।

३. **सारंगपुर मन्दिर में मूर्तिप्रतिष्ठा :** महाराज और स्वामी की जो सेवा भव-ब्रह्मादिक ने नहीं की, वह आप लोग कर रहे हैं, यह ताक़त आप लोगों की नहीं हैं, अक्षरधाम की अनेक मुक्त आत्माएँ आप लोगों में बसकर यह काम कर रही हैं ।

४. **बोचासण में प्रथम अक्षरपुरुषोत्तम मन्दिर :** हम स्वामी की मूर्ति की प्रतिष्ठा करेंगे, वही सारे ब्रह्माण्ड की लक्ष्मी को यहाँ खींच लायेंगे ।

५. **गुणातीत समाधिस्थान में मन्दिर :** महाराजा ने एक शर्त रखी थी कि उस स्थान पर स्थायी रूप से अक्षरदेरी ही होनी चाहिये, पाँच वर्षों में वह काम पूरा होना चाहिये और उसमें कम से कम बीस लाख रुपये खर्च किया जाना चाहिये ।

६. **दुर्गपुर में भव्य मन्दिर का खातमुहूर्त :** स्वामीश्री के कृपापात्र भूपेन्द्रसिंह चूडासमा उस प्रदेश के जिला कलक्टर के पद पर नियुक्त हुए, उनके प्रयत्न से गढ़डा की वह जमीन स्वामीश्री को मिल गई ।

* * *